

---

# Shri Janaki Dvadashanama Stotram

---

## श्रीजानकीद्वादशनामस्तोत्रम्

---

### Document Information

Text title : Janaki Dvadashanama Stotram 2

File name : jAnakIdvAdashanAmastotram2.itx

Category : devii, sItA, dvAdasha

Location : doc\_devii

Proofread by : Prabhav Tengse

Description/comments : See corresponding nAmAvalI

Latest update : August 6, 2023

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

August 6, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीजानकीद्वादशनामस्तोत्रम्

---



ॐ अस्य श्रीजानकीद्वादशनामस्तोत्रमन्त्रस्य नारदऋषिः  
अनुष्टुप् छन्दः त्रिगुणात्मिक शक्तिः श्रीजानकी  
देवता श्रीसीताप्रीत्यर्थं जपे विनियोगः ॥

अथ ध्यानम्-

ध्यायेच्चम्पकगौड्डीं हेमाभां नीलवस्त्रकाम् ॥

दिव्यकल्पोज्वलाङ्गी च रामवामस्थितां मुदा ।

रत्नसिंहासनगतां सर्वाभरणभूषिताम् ॥

सर्वालङ्कारसंयुक्तवीणावादनतत्पराम् ।

ध्यायेत् सीतां हृदिगतां दिव्यस्त्रीगणसेविताम् ॥

नमामि जनकनन्दिनी अजादिदेववन्दिनी ।

सदासुसन्तरञ्जिनी पिशाचगर्वगञ्जिनि ॥ १ ॥

मुनीन्द्रवासरागिणी, श्रीरामवामभागिनी ।

सुबुद्धिदाप्रमोदिनी श्रीकोशलाविनोदिनी ॥ २ ॥

गुणादिवेदगायिनी सुभक्तसुखदायिनी ।

अनन्तदुःखमोचिनी नमोऽस्तु विश्वलोचनी ॥ ३ ॥


पुनीत नाम द्वादशं पठन्तित्यक्त आलसम् ।

प्रसन्नसर्वदेवकं वदन्ति रामसेवकम् ॥ ४ ॥


इति श्रीजानकीद्वादशनामस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

Proofread by Prabhav Tengse

---

——  
*Shri Janaki Dvadashanama Stotram*

pdf was typeset on August 6, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

